# DSSSB

# TGT-2

## indian [redacted] geography

## Time-8 PM

# भारत के प्रमुख उद्योग धंधे

## औद्योगिक विकास

- स्वतंत्रता पूर्व औद्योगिक विकास
- स्वतंत्रता पश्चात् औद्योगिक विकास

major industry

of india

industrial Development

gases and green house effect.

Global warming

+ Heat budget.

+ radiation | solar constant.

Terrestrial radiation.

Climatol

## 1. स्वतंत्रता पूर्व औद्योगिक विकास :-

- सर्वप्रथम 1853 में औद्योगिक की शुरुआत हुई।
- यह चारकोल पर आधारित पहला 'लौह प्रगलन संयन्त्र' स्थापित किया गया, हालांकि, यह असफल रहा ।
- 1854 में सर्वप्रथम 'सफल' प्रयास हुआ।' कासवजी नानाभाई डाबर के द्वारा मुम्बई में सूती मिल की स्थापना की गई थी।
- 1855 में पश्चिम बंगाल के 'रिशरा' में 'जुट मिल' की स्थापना की गई ।

## 2. स्वतंत्रता पश्चात् औद्योगिक विकास :-

प्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (तत्कालीन उद्योग मंत्री) के द्वारा 6 अप्रैल 1948 को की गई ।

इस नीति के अनुसार उद्योगों का बंटवारा करना था-

(i) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग

(ii) निजी क्षेत्र के उद्योग

- 30 अप्रैल 1956 को दूसरी औद्योगिक नीति की घोषणा हुई। इसका संबंध दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-1961 ) से था ।
- इस योजना में भारी उद्योगों की स्थापना पर बल दिया गया |
- यह पंचवर्षीय योजना 'पीसी महालनोविस मॉडल' पर आधारित थी।

दुसरी पंचवर्षीय योजना — दुर्गापुर, बोकारो, भिलाई — Iron steel industry

सिंदरी = Fertilizer कारखाना

दूसरी औद्योगिक नीति में उद्योगों को विभाजित किया गया-

(i) निजी क्षेत्र के उद्योग

(ii) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग व

(iii) संयुक्त क्षेत्र के उद्योग

→ 24 जुलाई 1991 को हमारी अर्थव्यवस्था का LPG करण कर दिया गया।

L- उदारीकरण (liberalization)

P- निजीकरण (Privatization)

G - वैश्वीकरण (Globalization)

## लौह इस्पात उद्योग (IRON STEEL INDUSTRY)

अयस्क:- लोहे का कच्चा स्वरूप (अपरिष्कृत)

हेमेटाइट, मैग्नेटाइट, सिडोराइट

→ इस प्रकार के उद्योग को परिवहन लागत को ध्यान में रखकर स्थापित किया जाता है।

लौह इस्पात का कच्चा माल :-

(i) लौह अयस्क (ii) कोकिंग कोयला

(iii) मैगनीज (iv) चूना पत्थर

इस्पात उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक

(1) कच्चामाल (लौह अयस्क, मैगनीज, चूना पत्थर, कोयला) → अच्छी गुणवत्ता सस्ता एवं सुलभ

(2) बाजार व बंदरगाह की सुविधा →

(3) आंतरिक परिवहन सुविधा →

(4) सरकार की नीतियाँ → सरल व स्पष्ट

लौह इस्पात उद्योग की अवस्थिति:-

1. ऐसे उद्योग जो कोयला क्षेत्र के समीप है?

(i) वर्नपुर हीरापुर - कुल्टी

(ii) दुर्गापुर

(iii) बोकारो

(2) ऐसे उद्योग जो लौह अयस्क के समीप हों-

(i) भिलाई

(ii) राउरकेला

(iii) भद्रावती

(iv) विजयनगर

(v) सलेम

(3.) ऐसे क्षेत्र जो कोयला क्षेत्र व लौह अयस्क क्षेत्र के मध्य स्थित है - जमशेदपुर

(4) ऐसे लौह इस्पात उद्योग जो तटीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं-

(i) विशाखापट्टनम

(ii) गोपालपुर

**लौह इस्पात उद्योग की भारत में शुरूआत –**

पश्चिम बंगाल के कुल्टी में 1874 में 'बंगाल आयरन वर्क्स' की स्थापना से इसकी शुरूआत मानी जाती है।

## (1) टाटा आयरन एवं स्टील कम्पनी (TISCO) -

- 1907 में 'जमशेद जी टाटा के द्वारा इसकी स्थापना की गई।
- वर्तमान के झारखण्ड के जमशेदपुर (साकची) में इसकी स्थापना की गई थी।
- यह कारखाना दो नदियों के संगम पर स्थित है- स्वर्णरेखा नदी व खरकई नदी का संगम

TISCO को लौह अयस्क की प्राप्तिः

(1) गुरू महिसानी व बादाम पहाड़ (उड़ीसा)

(2) नोवामंडी (सिंह भूमि)

- कोयला प्राप्ति क्षेत्र :

(1) झरिया

(2) बोकारो

(2) इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (IISCO) –

- यह पश्चिम बंगाल के वर्नपुर में 1918 में स्थापित की गई थी।
- यह दामोदर नदी के किनारे स्थित है।
- लौह अस्यक प्राप्ति क्षेत्र: सिंहभूमि की गुआखान (झारखण्ड) से
- कोयला प्राप्ति क्षेत्र:-

(1) रामगढ़

(2) नूनरीह

(3) झरिया

## मैगनीज प्राप्ति क्षेत्र:-

- जासदा बांसपानी नामक स्थान (उड़ीसा)
- बंदरगाह सुविधा- कोलकाता व हल्दिया बंदरगाह
- जलविद्युत सुविधा - दामोदर घाटी से
- परिवहन सुविधा :- NH2 दक्षिण पूर्वी रेलवे, पूर्वी रेल

### 3. विश्वसरैया आयरन एण्ड स्टील कम्पनी :- (VISCO)

- 1923 में कर्नाटक के 'शिमोगा' जिले में इसकी स्थापना 'भद्रा नदी के किनारे हुई थी।
- लौह अयस्क प्राप्ति क्षेत्र - बाबा बूदन की पहाड़ी से
- जलविद्‌युत प्राप्ति - जोग व शरावती परियोजना
- इस कम्पनी को कोयला क्षेत्र से दूर स्थापित किया गया है।

## (4) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड (HSL) :-

- 1955 में भूतपूर्व सोवियत संघ व भारत सरकार के मध्य समझौते के तहत स्थापना की गई थी ।
- इसकी स्थापना भिलाई में हुई थी ।
- 1959 में इस कम्पनी ने उत्पादन करना प्रारम्भ कर दिया ।
- कोयला प्राप्ति क्षेत्र :- (1) कोरवा (2) बोकारो (3) झरिया
- लौह अयस्क प्राप्ति क्षेत्र - डल्लीराजहरा
- मैगनीज प्राप्ति क्षेत्र - बालाघाट का भंडारा
- बंदरगाह सुविधा - विशाखापट्टनम

## (5) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड़ (राउरकेला) :-

- यह 1959 में जर्मनी के सहयोग से बनी है।
- ये उड़ीसा में शेख व कोइल नदियों के संगम पर स्थापित किया गया है।
- कोयला प्राप्ति स्थल - झरिया, कौरवा
- लौह अयस्क - वरसुआ
- जलविद्‌युत सुविधा - हीराकुण्ड परियोजना
- परिवर्तन सुविधा- घबड़ा - मुम्बई रेलमार्ग

(6) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड (दुर्गापुर) :-

- 1959 में पश्चिम बंगाल के वही वर्तमान जिले में टेन के सहयोग से स्थापित किया गया ।

कोयला प्राप्ति क्षेत्र:-

1. रानीगंज
2. झरिया
3. वराकर खानो

- लौह अयस्क - गुआखान (सिंहभूमि जिला झारखण्ड )
- जल विद्‌युत सुविधा - दामोदर नदी घाटी परियोजना
- परिवहन की सुविधा- कोलकाता- दिल्ली रेलमार्ग

## (7) बोकारो स्टील प्लांट –

- 1964 में सोवियत संघ के सहयोग से निर्मित है।
- बोकारो में दामोदर नदी के तट पर स्थापित किया गया था
- कोयला प्राप्ति क्षेत्र - बोकारो, झरिया
- लौह अयस्क - किरवरू
- जलविद्युत सुविधा - दामोदर नदी घाटी परियोजना

## (8) विशाखापट्टनम स्टील प्लांट :-

- 1979 में भारत और सोवियत संघ के मध्य समझौता हुआ।
- 1982 में भारत सरकार ने इसे मान्यता प्रदान की।
- विशाखापट्टनम बंदरगाह के निकट इस प्लांट की स्थापना की गई ।
- यह भारत का पहला समुद्र तटीय स्टील प्लांट है।
- कोयला / ऊर्जा प्राप्ति क्षेत्र :- दामोदर नदी घाटी परियोजना
- लौह अयस्क प्राप्ति क्षेत्र:- वैलाडीला खाने

### (9) सलेम स्टील प्लांट'-

- यह तमिलनाडु के 'सलेम लौह अयस्क ' क्षेत्र में स्थापित किया गया है।
- यह शेवरॉय पहाड़ी क्षेत्र में हैं।
- 1982 से ये कार्यरत है।
- नवेली से इसे कोयला मिलता है।
- यहाँ स्टेनलेस स्टील का निर्माण किया जाता है।

## (10) विजयनगर स्टील प्लांट –

- यह कर्नाटक के वेल्लारी जिले में हास्पेट क्षेत्र में तुंगभद्रा नदी घाटी परियोजना के पास स्थित है।

- लौह अयस्क प्राप्ति क्षेत्र :- बाबा बुदन पहाड़ी क्षेत्र, चिकमंगलूर हास्पेट
- जल विद्युत सुविधा- तुंगभद्रा नदी परियोजना
- कोयला प्राप्ति - तेलंगाना के सिंगरेनी क्षेत्र से

# एल्यूमिनियम उद्योग

- यह धात्विक उद्योगों में लौह इस्पात उद्योग के बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण उद्योग है।
- भारत एल्यूमिनियम उत्पादन में आत्मनिर्भर है।
- यह विद्युत उत्पादन संयंत्रों के समीप स्थापित किए जाते हैं। इनमें बहुत बड़े स्तर
- पर ऊर्जा की खपत होती है।

# एल्यूमिनियम उद्योग का इतिहास

- इस उद्योग की शुरूआत सबसे पहले 'जेकेनगर (पश्चिम बंगाल)' से 1937 में हुई।
- इसका नाम 'एल्यूमिनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया' था ।
- दूसरी पंचवर्षीय योजना में दो नए एल्यूमिनियम उद्योग की स्थापना की गई

(i) हीराकुण्ड (उड़ीसा)

(ii) रेनकूट ( उत्तर प्रदेश)

- तीसरी पंचवर्षीय योजना में भी एक एल्यूमिनियम प्लांट की स्थापना - मेट्टूर (तमिलनाडू) में की गई |
- चौथी पंचवर्षीय योजना में कर्नाटक के बेलगाम में एल्यूमिनियम उद्योग की स्थापना की गई।

(1) हिन्दुस्तान एल्यूमिनियम कम्पनी (HINDALCO) - कारखाना - रेणुकूट ( सोनभद्र, UP)

→ इसकी स्थापना द्वूसरी पंचवर्षीय योजना के तहत हुई।

→ कच्चा माल एल्यूमिनियम का अयस्क (बॉक्साइट )

→ बॉक्साइट की प्राप्ति - लोहरदग्गा (झारखण्ड), राँची, पलामू, उडीसा व

→ ऊर्जा - रिहन्द जल विद्युत परियोजना

→ सहयोगी देश - U.S.A

(2) भारत एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड (BALCO) -

पहला कारखाना- कोरवा (छत्तीसगढ़)

बॉक्साइट प्राप्ति क्षेत्र :- अमरकंटक क्षेत्र से

ऊर्जा प्राप्ति क्षेत्र :- NTPC के स्थानीय संयन्त्र से

दूसरा कारखाना :- रत्नागिरि (महाराष्ट्र)

बॉक्साइट प्राप्ति क्षेत्र - महाराष्ट्र

ऊर्जा प्राप्ति - कोयना जल विद्‌युत परियोजना

### 3. नेशनल एल्यूमिनियम कम्पनी (NALCO)

पहला कारखाना- दमनजोड़ी कोरापुट (उड़ीसा)

→ बॉक्साइट प्राप्ति - कोरापुट

→ जलविद्युत सुविधा - महानदी परियोजना

→ दूसरा कारखाना - अंगुल -उड़ीसा

→ दोनों कारखानों का सहयोगी देश- फ्रांस

## मद्रास एल्युमिनियम कम्पनी लिमिटेड :-

कारखाना = मेट्टूर तमिलनाडु
बॉक्साइड = शेवरॉय पहाड़ी क्षेत्र
जलविद्युत = मेट्टूर परियोजना

इटली सहयोग

वेदांता एल्युमिनियम कम्पनी लिमिटेड (लांजीगढ़ उड़ीसा)

सहयोगी देश = जर्मनी ✓

धन्यवाद